परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें ।
Candidate should write his/her Roll No. here.

कुल प्रश्नों की संख्या : 8
Total No. of Questions : 8

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7
No. of Printed Pages : 7

सामान्य हिन्दी एवं व्याकरण
GENERAL HINDI AND GRAMMAR
पाँचवा प्रश्न–पत्र
FIFTH PAPER

समय : 03 घंटे]
Time : 03 Hours]

[पूर्णांक : 200
[Total Marks : 200

प्रश्न : 1. इस प्रश्न में 25 लघुत्तरीय प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 20-25 शब्दों में देना है । सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है । (25×03=75)

1) हिन्दी भाषा के विकास क्रम को समझाईये?
2) हिन्दी भाषा की तीन प्रमुख बोलियां बताईये?
3) संधि के प्रकार बताईये?
4) संधि विच्छेद कीजिए–
   (अ) स्वागत
   (ब) हितोपदेश
5) द्रव्यवाचक संज्ञा की परिभाषा लिखिए?
6) संबंध वाचक सर्वनाम समझाईये।
7) प्रत्यय
8) 'प्रति' उपसर्ग का प्रयोग करके तीन शब्द बनाइये।
9) द्वंद समास समझाईये?
10) देशज शब्दों को समझाईये।
11) तीन अनेकार्थी शब्द अर्थ सहित लिखिए।
12) तीन विलोम शब्द लिखिए।
13) शब्द–शक्ति से आप क्या समझते है?

14) धनाक्षरी छंद क्या होता है?

15) उपन्यास क्या होता है।

16) रस किसे कहते हैं?

17) राजभाषा को परिभाषित कीजिए।

18) अशुद्ध वर्तनी को शुद्ध कीजिए–

(i) नछत्र
(ii) द्रष्टी
(iii) प्रतीवादी

19) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–

(i) जो नेत्रों से दिखाई न दे
(ii) जिसका निवारण ना किया जा सके
(iii) जो भूमि उपजाऊ हो

20) निषेधवाचक वाक्य को उदाहरण सहित समझाईये?

21) अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कीजिए–

(i) मेरे को जाना है
(ii) प्रेम करना तलवार की नोंक पर चलना है
(iii) इस वीरान जीवन में ...

22) रचना की दृष्टि से क्रिया के कितने भेद होते हैं?

23) परिमाण बोधक विशेषण समझाइये?

24) वर्ण से आप क्या समझते हैं?

25) देवनागरी लिपी की कोई 3 विशेषताऐं बताईये?

प्रश्न–2 अलंकारों से संबंधित प्रश्न–

2.1) शब्दालंकार

2.1.1) यमक अलंकार समझाईये?

2.1.2) 'रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून'
पानी गए न ऊबरै, मोती मानुस चून'

उपर्युक्त पद में अलंकार पहचानिए

2.1.3) वृत्युन प्रास अलंकार समझाईये?

RAO'S ACADEMY for Competitive Exams (A unit of RACE)

2.1.4) 'चारू चंद्र की चंचल किरणें ....'

उपर्युक्त पद्यांश में अलंकार पहचानिए?

2.2) अर्थालंकार से संबंधित–

2.2.1) अतिशियोक्ति अलंकार

2.2.2) उत्प्रेक्षा अलंकार की पहचान करने वाले शब्द बताइये।

2.2.3) रूपक अलंकार स्पष्ट कीजिए?

2.2.4) निम्न वाक्य में अलंकार पहचानिए?

''यह मुख है या चंद्र है''

2.2.5) ''उसके मुख को कोई कमल कोई चंद्र कहता।''

प्रश्न–3 निम्न वाक्यों में हिन्दी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

3.1) आज प्रधानमंत्री देश को संबोधित करेंगे।

3.2) वह एक दिवसीय मैच में पर्दापण करने वाली सबसे युवा खिलाड़ी है।

3.3) कश्मीर में लगा कर्फ्यू, इंटरनेट बंद।

3.4) वह निर्धन अवश्य है किन्तु ईमानदार है।

3.5) उसकी पहचान भले ही एक लेखक के रूप में हो, किन्तु वह एक अच्छी गायक भी है।

3.6) I am travelling.

3.7) He is master in science.

3.8) Indian Constitution is largely federal.

3.9) They both denied.

प्रश्न–4 हिन्दी व्याकरण से संबंधित–

1) 'ओंढ मलना' मुहावरे का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

2) 'कहीं का ईट कहीं का रोड़ा, भानुमति ने कुनबा जोड़ा' लोकोक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

3) 'अपना हस्ताक्षर लगा दो'–' का शुद्ध स्वरूप लिखिए।

4) गाँधीजी ने कहा– हिंसा मत करो ...में कौन से विराम चिन्ह का प्रयोग किया गया है?

RAO'S ACADEMY for Competitive Exams (A unit of RACE)

5) ''हाँ लिख सकता हूँ'' – सही विराम चिन्ह लगाईये।

6) प्रथ्वी की शुद्ध वर्तनी रूप लिखिए।

7) 'जिसकी आशा न की गई हो' – अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखे।

8) संधि को परिभाषित कीजिए?

9) विसर्ग संधि समझाईये?

10) क्रिया विशेषण का कोई उदाहरण दीजिए।

प्रश्न–5

5.1) 'कटिबन्धीय' का अंग्रेजी अर्थ लिखिए।

5.2) 'Imperialistic' का शाब्दिक अर्थ हिन्दी में लिखिए।

5.3) 'चोर की दाढ़ी में तिनका' – अर्थ स्पष्ट कीजिए।

5.4) 'जो तीनों काल के बारे में जानता हो' – अनेक शब्द के लिए एक शब्द लिखिए।

5.5) तद्भव रूप बताईये।

5.6) तत्सम रूप बताईये।

5.7) कृतज्ञ का विलोम शब्द लिखिये?

5.8) 'Hegemony' का हिन्दी अर्थ लिखिए।

5.9) अनुशंषा का अंग्रेजी अर्थ लिखिए।

5.10) मुद्रास्फीति का अंग्रेजी अर्थ लिखिए।

RAO'S ACADEMY
for Competitive Exams

6) गद्यांश

जाति–प्रथा को यदि श्रम–विभाजन मान लिया जाए तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है। कुशल व्यक्ति या सक्षम–श्रमिक–समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि हम व्यक्तियों की क्षमता इस सीमा तक विकसित करें, जिससे वह अपना पेशा या कार्य का चुनाव स्वयं कर सके। इस सिद्धांत के विपरीत जाति–प्रथा का दूषित सिद्धांत यह है कि इससे मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा उसकी निजी क्षमता का विचार किए बिना, दूसरे ही दृष्टिकोण जैसे माता–पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार पहले से ही अर्थात् गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है। जाति–प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्व निर्धारण ही नहीं करती बल्कि मनुष्य को जीवन भर के लिए एक पेशे में बाँध भी देती है। भले ही पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने के कारण वह भूखों मर जाए।

आधुनिक युग में यह स्थिति प्राय: आती है, क्योंकि उद्योग–धंधे की प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर विकास और कभी–कभी अकस्मात् परिवर्तन हो जाता है, जिसके कारण मनुष्य को अपना पेशा बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है और यदि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मनुष्य को अपना पेशा बदलने की स्वतंत्रता न हो, तो इसके लिए भूखों मरने के अलावा क्या चारा रह जाता है? हिंदू धर्म की जाति–प्रथा किसी भी व्यक्ति को ऐसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देता है, जो उसका पैतृक पेशा न हो, भले ही वह उसमें पारंगत है। इस प्रकार पेशा परिवर्तन की अनुमति न देकर जाति–प्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख व प्रत्यक्ष कारण बनी हुई है।

प्रश्न

(क) 'जाति–प्रथा को स्वाभाविक श्रम–विभाजन नहीं कहा जा सकता।' क्यों?
(ख) जाति–प्रथा के सिद्धांत को दूषित क्यों कहा गया है?
(ग) "जाति–प्रथा पेशे का न केवल दोषपूर्ण पूर्वनिर्धारण करती है बल्कि मनुष्य को जीवनभर के लिए एक पेशे से बाँध देती है"-कथन पर उदाहरण–सहित टिप्पणी कीजिए।
(घ) इस गदयांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।
(ङ) विकसित, पैतृक – मूल शब्द एवं प्रत्यय बताइए।

7) पल्लवन अथवा भाव पल्लवन कीजिए –

8) **संक्षेपण**

मनुष्य अपने भविष्य के बारे में चिंतित है। सभ्यता की अग्रगति के साथ ही चिंताजनक अवस्था उत्पन्न होती जा रही है। इस व्यावसायिक युग में उत्पादन की होड़ लगी हुई है। कुछ देश विकसित कहे जाते हैं। कुछ विकासोन्मुख। विकसित देश वे हैं जहाँ आधुनिक तकनीक का पूर्ण उपयोग हो रहा है। ऐसे देश नाना प्रकार की सामग्री का उत्पादन करते हैं और उस सामग्री की खपत के लिए बाजार ढूँढ़ते रहते हैं। अत्यधिक उत्पादन क्षमता के कारण ही ये देश विकसित और अमीर हैं। विकासोन्मुख या गरीब देश उनके समान ही उत्पादन करने की आकांक्षा रखते हैं और इसलिए उन सभी आधुनिक तरीकों की जानकारी प्राप्त करते हैं। उत्पादन-क्षमता बढ़ाने का स्वप्न देखते हैं। इसका परिणाम यह हुआ है कि सारे संसार में उन वायुमंडल प्रदूषण यंत्रों की भीड़ बढ़ने लगी है जो विकास के लिए परम आवश्यक माने जाते हैं।